एकात्म भारत के लिए
सुचेन्द्र मिश्रा द्वारा प्रकाशित

एकात्म भारत

@EkatmaBharat
दैनिक एकात्म भारत

मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष, षष्ठी,
सोमवार विक्रम संवत् 2076

जो एकात्म है वही भारत है

2 दिसंबर 2019, इंदौर
e-paper : www.ekatmabharat.com

6 दिसंबर को अयोध्या पर पुनर्विचार याचिका दायर करेगा मुस्लिम पक्ष

नई दिल्ली

अयोध्या मामले में सुप्रीम कोर्ट का फैसला राम मंदिर निर्माण के पक्ष में रहा है। जमीयत उलेमा-ए-हिंद अयोध्या केस में सुनाए गए फैसले पर पुनर्विचार याचिका दाखिल करेगा। उसकी तरफ से यह पुनर्विचार याचिका बाबरी विवाद की बरसी पर यानी 6 दिसंबर को दायर की जाएगी। यह याचिका जमीयत के यूपी जनरल सेक्रटरी मौलाना अशद रशीदी की ओर से दायर की जाएगी, जो कि अयोध्या मामले में मुस्लिम पक्ष के 10 याचिकाकर्ताओं में से एक हैं। रशीदी ने हमारे सहयोगी अख़बार टाइम्स ऑफ इंडिया से कहा, 'डॉक्युमेंटेशन का काम तकरीबन पूरा हो चुका है। हमारी लीगल टीम पुनर्विचार याचिका का मसौदा तैयार कर रही है और इस विवरण को अंतिम रूप देने के लिए अभी कुछ दिनों की जरूरत है।'

'पहले वाला हिस्सा विरोधाभासी है'

जमीयत के यूपी जनरल सेक्रटरी मौलाना अशद रशीदी ने कहा है कि अयोध्या मामले में सुप्रीम कोर्ट के निर्णय का पहला हिस्सा बाद वाले से 'विरोधाभासी' है। उन्होंने कहा, 'और हमारी विनम्र दलील है कि सुप्रीम कोर्ट हर विरोधाभास की व्याख्या करता है। कोर्ट ने इस बात को स्वीकार भी किया है कि मंदिर तोड़कर मस्जिद नहीं बनाई गई थी और दिसंबर 1992 में हुआ मस्जिद विवाद अवैध है। इसके बावजूद कोर्ट ने दूसरे पक्ष को जमीन सौंप दी। यह कैसे संभव है?'

अयोध्या में शुरू हुई राम रसोई, हजारों श्रद्धालुओं को मिलेगा निःशुल्क भोजन

रसोई में इस्तेमाल होने वाले सभी चावल कैमूर (बिहार) के मोकरी गांव से मंगवाया गया है

अयोध्या

अयोध्या मामले पर सुप्रीम कोर्ट का निर्णय आने के बाद रविवार को अयोध्या में राम रसोई की शुरुआत भी हो गई है। रामलला के मंदिर के ठीक बाहर अमावा मंदिर में पटना के महावीर मंदिर ट्रस्ट ने राम रसोई की शुरुआत की। राम रसोई में रामलला के दर्शन करने वाले श्रद्धालुओं को निःशुल्क भोजन मिलेगा।

महावीर मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष किशोर कुणाल रविवार को इसकी शुरुआत की। इसमें सुबह 11:30 बजे से दोपहर 2:30 बजे तक भोजन प्रसाद दिया जाएगा. इससे पहले पटना महावीर मंदिर ट्रस्ट 10 करोड़ रुपये के सहयोग के रूप में राम मंदिर के लिए दिए जाने की घोषणा कर चुका है।

इस प्रसाद भोजन की शुभारंभ रामलला के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास ने श्रद्धालुओं को प्रसाद भोजन अपने हाथों से वितरित कर के किया। इससे पहले वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ भगवान राम जानकी के विवाह पंचमी की विशेष तिथि पर विशेष पूजन हुआ और भगवान राम की अनुमति के बाद राम रसोई का संचालन शुरू किया गया। ट्रस्ट के अध्यक्ष किशोर कुणाल ने बताया कि रसोई में इस्तेमाल होने वाले सभी चावल कैमूर (बिहार) के मोकरी गांव से मंगवाया गया है। राम रसोई और भगवान के भोग की सेवा लगातार चलती रहेगी। उन्होंने कहा कि इसके लिए अयोध्या के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास से बात हो चुकी है। कुणाल

ने कहा कि बिहार में पहले से ही सीतामढ़ी में सीता रसोई चल रही है। यहां दिन में 500 लोग और रात में 200 लोगों को मुफ्त में भोजन कराया जाता है।किशोर कुणाल कहते हैं कि बिहार और दक्षिण भारतीय कुक को व्यंजन तैयार के लिए विशेष रूप से बुलाया गया है। जहां प्रतिदिन एक हजार से दो हजार के बीच श्रद्धालुओं को निःशुल्क भोजन देने की व्यवस्था की गई है। उन्होंने बताया कि राम रसोई सालों भर चलती रहेगी। इसके बाद में राम भक्तों की बढ़ती संख्या के आधार पर ज्यादा से ज्यादा लोगों के लिए भोजन की व्यवस्था की जाएगी।

माओवादियों ने बंद का किया आह्वान

प्रतिबंधित कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (माओवादी) ने अयोध्या पर सुप्रीम कोर्ट के निर्णय का विरोध करते हुए 8 दिसंबर को देशव्यापी हड़ताल का आह्वान किया है। माओवादी सेंट्रल कमिटी के प्रवक्ता अभय ने एक बयान जारी कर कहा कि पार्टी 8 दिसंबर को देशव्यापी हड़ताल करने से पहले 6 और 7 तारीख को फैसले के खिलाफ प्रदर्शन करेगी। उन्होंने अन्य से इसमें शामिल होने की अपील की है।

संघ प्रमुख मोहन भागवत बोले, घर से शुरू हो मातृशक्ति के सम्मान की शिक्षा

हैदराबाद की घटना के संदर्भ में बोले सर संघचालक
नई दिल्ली

लालकिला मैदान पर आयोजित गीता प्रेरणा महोत्सव में जुटे लोग हैदराबाद की घटना से मर्माहत दिखे। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघ चालक मोहन भागवत ने कहा कि मातृशक्ति के प्रति सम्मान की शिक्षा हमें घर से ही शुरू करनी होगी। ऐसा अपराध करने वालों की भी बहन और माता हैं। ऐसे लोगों को शायद घर में किसी ने सिखाया नहीं कि मातृशक्ति से कैसे व्यवहार करना चाहिए।

जियो गीता संस्थान की तरफ से आयोजित कार्यक्रम में भागवत ने महाभारत के एक प्रसंग का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि जब अर्जुन के सामने उर्वशी खड़ी थीं, तो वह उन्हें एकटक देख रहे थे। बाद में उर्वशी ने कहा कि तुम मुझे पसंद करते हो, इसलिए देख रहे हो, तब अर्जुन कहते हैं कि आप हमारी पूर्वज हैं, माता के समान हैं। इसलिए मातृभाव से देख रहा था। समाज में भी जब यही भाव होगा तो देश में मातृशक्ति का सम्मान और सुरक्षा अपने आप हो जाएगी। उन्होंने कहा कि सुरक्षा की जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की है और रहेगी। लेकिन,

सबकुछ उन्हीं पर छोड़ देने से नहीं चलेगा। इसके लिए परिवार को भी जिम्मेदारी लेनी होगी। इसके साथ ही उन्होंने गीता को जीवन का सार बताते हुए कहा कि इसे संपूर्ण विश्व का बनाने के लिए शुरुआत खुद से करनी होगी। 130 करोड़ की जनता को इसे हर घर और गांव तक पहुंचाना होगा।

साध्वी ऋतंभरा ने कहा कि पुरुष जब काम वासना का पुतला बनेगा तो घर की बहू-बेटियां भी सुरक्षित नहीं रहेंगी। भारत जैसे देश में दुष्कर्म और भ्रष्टाचार अशोभनीय व चिंताजनक है।

जैन धर्मगुरु लोकेश मुनि ने कहा कि गीता को पाठ्यक्रम में शामिल किया जाए, जिससे इस तरह के कुसंस्कारी पैदा न हों। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, मध्यम एवं लघु उद्योग राज्य मंत्री प्रताप चंद सारंगी, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जनार्दन द्विवेदी, अवधेशानंद महाराज, परमानंद महाराज, राघवानंद महाराज, स्वामी ज्ञानानंद, विवेक मुनि, स्मृति ईरानी समेत अन्य ने महोत्सव को संबोधित किया। ऊर्जा मंत्री श्रीकांत शर्मा ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का संदेश पढ़ा। वे व्यवस्तता के चलते इस समारोह में सम्मिलित नहीं हो सके।